बिहार विधान परिषद्

187वां सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग – 2

मंगलवार, तिथि 07 अग्रहायण, 1939 (श.) / 28 नवम्बर, 2017 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 07

1.	स्वास्थ्य विभाग	-	-	04
2.	ऊर्जा विभाग	-	-	03
			कुल योग –	07

डेंगू एवं चिकनगुनिया का प्रकोप

1. **प्रो. नवल किशोर यादव** एवं **श्री राधा चरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राजधानी पटना समेत अन्य जिलों में डेंगू का डंक दहशत फैला रहा है और आये दिनों डेंगू और चिकनगुनिया के बढ़ते प्रकोप के कारण पी.एम.सी.एच., आर.एम.आर.आई. और एन.एम.सी.एच. में अबतक एक हजार से अधिक डेंगू के मरीज चिह्नित हो चुके हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में बढ़ते डेंगू के प्रकोप के बीच सूबे के ब्लड बैंकों में जरूरत से कम ब्लड उपलब्ध है जिससे उक्त अस्पतालों में भर्ती डेंगू के मरीज प्रभावित हो रहे हैं;

(ग) क्या यह सही है कि केन्द्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पूरे राज्य को 10.3 लाख ब्लड यूनिट की आवश्यकता है जबकि वर्तमान में सिर्फ एक लाख यूनिट ब्लड उपलब्ध है और डेंगू मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतायेगी कि खंड 'क', 'ख' एवं 'ग' में वर्णित स्थिति में कौन-सा कदम उठाने पर विचार कर रही है, यदि नहीं तो क्यों?

त्वरित कार्रवाई

2. **श्री सूरजनंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत सम्पतचक प्रखंड के ग्राम पंचायत कनौजी कछुआरा के ग्राम मनोहरपुर कछुआरा एवं ग्राम उदैनी में स्वास्थ्य केन्द्र बने हुए हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उपरोक्त स्वास्थ्य उपकेन्द्र में न तो प्रतिदिन ए.एन.एम. ही आती हैं और न ही डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति ही हुई है;

(ग) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य उपकेन्द्र के 10 उपकेन्द्र निजी जमीन पर चल रहे हैं;

(घ) क्या यह सही है कि उन उपकेन्द्रों में शौचालय, पेयजल, बेंच, डेस्क, कुर्सी, चिकित्सा-सामग्रियां एवं अन्य उपस्कर भी उपलब्ध नहीं हैं;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'ख', 'ग' एवं 'घ' में वर्णित विषयों के संबंध में त्वरित कार्रवाई करेगी, यदि हां तो कबतक?

विद्युत आपूर्ति

3. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राजधानी पटना के कई मुहल्ले सहित खुसरूपुर, बख्तियारपुर आदि जगहों पर आज भी बांस के खंभों के सहारे बिजली का तार खींचकर बिजली की आपूर्ति की जा रही है, जिस कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं;

(ख) क्या यह सही है कि इन स्थानों पर पोल गाड़ने की योजना 2016 में ही बनाई गई जिसका सर्वे भी हो चुका है किंतु विभागीय सुस्ती के कारण आजतक यह योजना कार्यान्वित नहीं हो सकी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अविलंब इन मुहल्लों में बांस के खंभों के स्थान पर लोहे एवं कंक्रीट के पोल गाड़कर विद्युत आपूर्ति सुचारु करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

उचित कार्रवाई

4. **श्री सी. पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकारी आयुर्वेदिक कॉलेजों में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मियों की अवैध/अनियमित नियुक्ति का उद्भेदन हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि मा. सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अवैध नियुक्ति समाप्त करने के बावजूद इन अवैध एवं अनियमित कर्मियों की सेवा संपुष्ट एवं प्रोन्नति की प्रक्रिया चालू है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार अवैध नियुक्त कर्मियों तथा विभाग के संलिप्त कर्मियों के विरुद्ध जांचोपरांत उचित कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

उच्चस्तरीय जांच

5. **श्री टुनजी पाण्डेय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिले के सभी गांवों में जे.के.सी. एवं जी.के.सी. कंपनी के द्वारा गांव का विद्युतीकरण कराया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त कंपनी के द्वारा विद्युतीकरण के कार्यों में अनियमितता बरती जा रही है और कार्य में मानक का पालन नहीं किया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सिवान जिले में यह जे.के.सी. एवं जी.के.सी. कंपनी के द्वारा किए गए कार्यों की उच्चस्तरीय जांच कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

डॉक्टरों की उपस्थिति

6. **श्री रणविजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के बड़हरा प्रखंड अवस्थित ख्वाशपुर पंचायत के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डॉक्टरों की प्रतिनियुक्ति के बावजूद उपस्थित नहीं रहने से वहां के मरीजों का समुचित इलाज नहीं हो पाता है;

(ख) क्या यह सही है कि इस संबंध में वहां के ग्रामीणों द्वारा जिला स्तरीय पदाधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराने के बावजूद किसी तरह की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु कौन-सी कार्रवाई कर रही है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

लाइट की व्यवस्था

7. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना शहर के बेली रोड, रुकनपुरा स्थित शर्मा सौभाग्य पथ जो आदर्श विहार कॉलोनी से पार्वती कुटीर तक जाती है, जिसमें तीन-चार बिजली का पोल लगा हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि रुकनपुरा स्थित सौभाग्य शर्मा पथ से आदर्श विहार कॉलोनी, रोड नं.-2 सी. आती है, उक्त रोड अंधेरे में डूबा रहता है, रात में असामाजिक तत्व के लोग घूमते रहते हैं, किसी भी पोल में सी.एफ.एल. लाइट नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इस पोल में दो सी.एफ.एल. लाइट लगाएगी, यदि हां तो कबतक?

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक : 28 नवम्बर, 2017